(b) the steps Government propose to take to expedite the completion of the project?

**The Minister of State in the Ministry of Petroleum and Chemical and of Planning and Social Welfare (Shri Raghu Ramaiah):** (a) In view of the high prices of raw materials and the consequent increase in the cost of production of caffeine, which was the principal item of manufacture according to the production programme, the Phyto-Chemicals Factory proposed to be set up at Neriyamangalam has been abandoned.

(b) Does not arise.

**Accumulation of Employees' Provident Fund**

**2616. Shri Indrajit Gupta:**
**Shri Vasudevan Nair:**
**Shri H. N. Mukerjee:**

Will the Minister of **Finance** be pleased to state:

(a) whether the monies accumulated in the Employees' Provident Fund and controlled by Government, are being devalued due to policies of deficit financing pursued by Government itself; and

(b) the reasons for not affording protection to the affected employees, particularly those in Government service, by the introduction of Equity Policies through the Life Insurance Corporation?

**The Deputy Prime Minister and Minister of Finance (Shri Morarji Desai):** (a) and (b). The contributions to the Provident Fund together with accrued interest, are returned to the subscribers in the same manner as deposits in commercial banks or investments in Government securities or Small Savings. These are not linked to the price index and the question of any devaluation or compensation therefor does not arise.

**शकूर बस्ती, दिल्ली में केन्द्रीय स्वास्थ्य योजना का औषधालय**

**2617. श्री हरदयाल देवगुण :** क्या स्वास्थ्य तथा परिवार नियोजन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को पता है कि शकूर बस्ती, दिल्ली मे केन्द्रीय सरकार के 2,000 से अधिक कर्मचारी रहते हैं;

(ख) क्या यह सच है कि इन कर्मचारियो ने इस क्षेत्र मे केन्द्रीय स्वास्थ्य योजना की सुविधायें प्रदान करने के लिये अनेक बार सरकार को अभ्यावेदन दिये हैं; और

(ग) यदि हां, तो इस क्षेत्र में इस योजना को कब तक क्रियान्वित करने का सरकार का विचार है ?

**स्वास्थ्य तथा परिवार नियोजन मंत्री (डा० श्रीपति चन्द्रशेखर) :** (क) स्वास्थ्य तथा परिवार नियोजन मंत्रालय मे उपलब्ध सूचना से यह पता चलता है कि शकूर बस्ती, दिल्ली मे रहने वाले केन्द्रीय सरकारी कर्मचारियो की संख्या लगभग 1000 है, जिनमे डिफेंस सिविलियन्स भी सम्मिलित हैं ।

(ख) जी हा ।

(ग) इस समय शकूर बस्ती मे रहने वाले सरकारी कर्मचारियो की सख्या इतनी नही है कि वहा एक डिस्पेंसरी खोल दी जाये ।

**राजघाट समाधि, नई दिल्ली के कर्मचारी**

**2618. श्री राम सिंह अयरवाल :**
**श्री निहाल सिंह :**

**श्री यशवन्त सिंह कुशवाह :**
**श्री शिवपूजन शास्त्री :**

क्या निर्माण, आवास तथा संभरण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि राजघाट के कुछ कर्मचारियों की बिना किसी नोटिस के छंटनी कर दी गई है;

(ख) क्या यह भी सच है कि उक्त कर्मचारी दस वर्ष से अधिक समय से काम कर रहे है और अब ये एक माह से भी अधिक समय से कार्यालय के सामने धरना दिये हुए हैं।

(ग) यदि हां, तो उनकी छंटनी किये जाने के क्या कारण हैं; और

(घ) इस सम्बन्ध में सरकार ने क्या कार्यवाही की है ?

**निर्माण, आवास तथा पूर्ति मंत्रालय में उपमंत्री (श्री इकबाल सिंह)** : (क) से (घ). राजघाट समाधि समिति के चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों के वेतनमान बदल दिये गये हैं तथा उनके कार्य के घंटे उन्हीं के ग्रेड के केन्द्रीय सरकारी कर्मचारियों के समान कर दिये गये हैं। समाधि समिति के कर्मचारियों की आवश्यकता को पुनः आंका गया तथा 25 चौकीदारों एवं 7 मेहतरों में से 5 चौकीदारों तथा 2 मेहतरों को अधिक पाया गया। समिति ने सात अधिक कर्मचारियों को नोटिस के स्थान पर एक महीने का वेतन देकर छंटनी कर दिया। उनमें से केवल एक की सेवा दस वर्ष से अधिक थी। कर्मचारियों ने अपने वेतन लेने से इन्कार कर दिया तथा समाधि क्षेत्र में टैंट लगा दिये तथा वहां आवासित कर रहे हैं। छंटनी का निर्णय दिल्ली के उप-राज्यपाल की अध्यक्षता में राजघाट समाधि समिति ने किया जो कि एक संविधिक निकाय (स्टैचुटरी बौडी) है।

**मिट्टी के तेल का तस्कर व्यापार**

2619. **श्री यशवन्त सिंह कुशवाह :**
**श्री निहाल सिंह :**
**श्री शिवपूजन शास्त्री :**

क्या पेट्रोलियम और रसायन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि 25 मई, 1967 को अथवा उसके आस पास 6 हजार लिटर मिट्टी का तेल पकड़ा गया, जब वह चोरी-छिपे राजधानी से बाहर ले जाया जा रहा था;

(ख) यदि हां, तो अपराधियों के विरुद्ध क्या कार्यवाही की गई है तथा इसमें कितने व्यक्ति अन्तर्ग्रस्त हैं; और

(ग) उस कम्पनी का नाम क्या है जिससे मिट्टी का तेल लिया गया था ?

**पेट्रोलियम और रसायन, योजना तथा समाज कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री रघुरमैया)** : (क) से (ग). दिल्ली प्रशासन से सूचना इकट्ठी की जा रही है और सभा-पटल पर रखी जायेगी।

**Orders with Public Sectors**

2620. **Shri D. N. Patodia:** Will the Minister of **Works, Housing and Supply** be pleased to state the value and particulars of various orders for engineering goods placed by the various Government Departments on Public Sector Industries and on Private Sector Industries separately from 1961-62 until 1966-67 through the Directorate General, Supplies and Disposals?

**The Deputy Minister in the Ministry of Works, Housing and Supply (Shri Iqbal Singh):** A statement showing the value of orders placed by the Directorate General of Supplies and Disposals for engineering and allied stores during the period 1962-63 to 1966-67 (upto February 1967) separately on supplier/manufacturers in